

# मुंबई हलचल

अब हर सच होगा उजागर

## बेकाबू हो रहा CORONA? 38 जिलों में घर-घर जांच

संवाददाता / नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोविड-19 के ज्यादा प्रसार वाले 10 राज्यों में 38 जिलों के 45 नगर निकायों के अधिकारियों को संक्रमण और मृत्यु दर घटाने के लिए घर-घर सर्वेक्षण करने, त्वरित जांच और प्रभावी निगरानी उपाय करने को कहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव प्रीति सूदन ने स्वास्थ्य मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए उच्च स्तरीय बैठक की।

### 45 नगर निगमों को आदेश

इस बैठक में 45 नगर निगम वाले क्षेत्र के जिलाधिकारी, निगम आयुक्त, जिला अस्पताल के अधीक्षक, मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल भी थे। महाराष्ट्र, तेलंगाना, तमिलनाडु, राजस्थान, हरियाणा, गुजरात, जम्मू कश्मीर, कर्नाटक, उत्तराखंड और मध्यप्रदेश के 38 जिलों के प्रतिनिधि इस बैठक में शामिल हुए। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि लॉकडाउन में ढील और पाबंदी खत्म किए जाने के मद्देनजर राज्यों को आगामी महीनों के लिए जिलावार योजनाएं बनाने की सलाह दी गयी थी।

भारत में  
ढाई लाख  
से ज्यादा  
कोरोना  
पॉजिटिव  
केस, भारत में  
हर रोज तेज  
रफ्तार से बढ़  
रहा है कोरोना  
वायरस



स्वास्थ्य  
मंत्रालय के  
मुताबिक देश  
में संक्रमण के  
2,56,611  
मामले हो  
चुके हैं और  
7200 लोगों  
की मौत हुई  
है। सोमवार  
सुबह आठ बजे  
तक 24 घंटे में  
कोविड-19 के  
9,938  
नए  
मामले  
आए  
और  
271  
लोगों की  
मौत हुई।

॥ शुभ लाभ ॥  
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल  
• बदाम बफ़ी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले

MM MITHAIWALA  
Malad (W) Tel. : 288 99 501



## जब्त होंगी नीरव मोदी की संपत्ति

स्पेशल कोर्ट ने  
प्रवर्तन निदेशालय  
को दी अनुमति

संवाददाता

मुंबई। मुंबई की विशेष अदालत ने भगोड़े आभूषण कारोबारी नीरव मोदी की संपत्ति आर्थिक अपराधी भगोड़ा कानून के तहत जब्त करने का आदेश दिया। देश में यह पहला ऐसा मामला है जब अदालत ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी (FEO) कानून के तहत किसी की संपत्ति जब्त करने का आदेश दिया है। नीरव मोदी को पिछले साल दिसंबर में भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित किया गया था। विशेष अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) को निर्देश दिया है कि वो पंजाब नेशनल बैंक (PNB) और बैंकों के एक कंसोर्शियम के लिए सुरक्षित उसकी संपत्तियों को छोड़ दे। (शेष पृष्ठ 3 पर)

## हमारी बात



## और सतर्कता का समय

कोरोना के तेज होते संक्रमण के बीच सोमवार को भारत अनलॉक होने की ओर एक बड़ा कदम उठाएगा, अब जितना महत्व जहान का होगा, उससे कहीं अधिक जान का होगा। जहां एक ओर, मॉल खुल जाएंगे, वहीं आधे से ज्यादा धर्मस्थल भी गुलजार हो जाएंगे। रेस्तरां, बाजार में रौनक बढ़ जाएगी, लेकिन यह रौनक तभी सार्थक कही जाएगी, जब संक्रमण काबू में रहेगा। संक्रमण होते ही वह इलाका सील हो जाएगा, लेकिन गौर करने की बात यह है कि अब लगभग सभी सरकारें संक्रमण का जोखिम उठाते हुए भी अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना चाहती हैं। केंद्र सरकार के साथ-साथ उन राज्य सरकारों के लिए भी अनलॉक होना मजबूरी है, जिनका खजाना तेजी से खाली हो रहा है। जिन इलाकों में संक्रमण की रफ्तार तेज है, वहां राज्य सरकारों के पास अधिकार है कि वे किसी भी सीमा तक लॉकडाउन रख सकती हैं। संपूर्णता में देखें, तो ज्यादातर गांव और शहर अब खुल चुके हैं और आज से जैसे-जैसे सार्वजनिक वाहनों की सड़कों पर वापसी होने लगेगी, वैसे-वैसे चहल-पहल बढ़ती जाएगी। इस बीच लोगों को यह सतत ध्यान रखना होगा कि भारत में प्रतिदिन 10,000 के करीब मामले सामने आने लगे हैं, करीब 7,000 लोग जान गंवा चुके हैं और 2.50 लाख से अधिक संक्रमित हो चुके हैं। इसी में एक सुखद संकेत यह भी है कि करीब 1.20 लाख लोग ठीक हो चुके हैं। बहरहाल, जब हम अपने जहान की चिंता में निकल पड़े हैं, तो सबसे बड़ा यह सवाल लोगों को मथ रहा है कि आखिर कोरोना कब पीछा छोड़ेगा? देश के स्वास्थ्य मंत्रालय के दो वरिष्ठ विशेषज्ञ अधिकारियों ने अनुमान लगाया है कि भारत को सितंबर के मध्य में कोरोना संक्रमण से मुक्ति मिलेगी। इन दोनों अधिकारियों, अनिल कुमार और रुपाली राय का शोध इपेडिमियोलॉजी इंटरनेशनल जर्नल में प्रकाशित हुआ है। इन आला अधिकारियों ने बेलीज गणितीय प्रणाली का इस्तेमाल करके नतीजा निकाला है कि कोरोना लगभग तीन महीने का मेहमान है। संक्रामक रोगों के प्रभाव के आकलन के लिए प्रचलित इस गणितीय प्रणाली को मोटे तौर पर अगर हम समझें, तो जब संक्रमितों की कुल संख्या ठीक होने व मरने वालों की सम्मिलित संख्या के बराबर पहुंच जाएगी, तब इस बीमारी का अंत होगा। 19 मई को पहली बार इस प्रणाली से की गई गणना के अनुसार, हम उस राह पर 42 प्रतिशत चल चुके थे और अभी कोरोना की यात्रा 50 प्रतिशत ही पूरी हुई है। सितंबर के मध्य में यह यात्रा 100 प्रतिशत पर पहुंच जाएगी और तभी कोरोना का अंत होगा। अब सवाल यह कि यह गणना कितनी सटीक है? वैसे, वैज्ञानिक-गणितीय गणनाएं अमूमन गलत नहीं होतीं, पर अहम सवाल यह कि इन गणनाओं में इस्तेमाल डाटा कितने पुख्ता हैं? देश में कोरोना-जांच कितनी होनी चाहिए और कितनी हो रही है? कुछ जगहों पर तो कोरोना संक्रमण के हल्के मामलों की गणना ही नहीं हो रही, सिर्फ गंभीर मामले दर्ज किए जा रहे हैं। कुल मिलाकर, यह गणितीय भविष्यवाणी भी हमें परोक्ष रूप से प्रेरित करती है कि हम कोरोना को कतई हल्के में न लें। कोरोना संक्रमण से हरसंभव तरीके से बचें। शंका हो, तो जांच करने-कराने में रती भर कोताही न बरतें। सतर्कता सोलह आना होगी, हमारे आंकड़े दुरुस्त होंगे, तो हम महामारी को बेहतर ढंग से पटकनी दे पाएंगे।

# मनरेगा को और महत्व दे मोदी सरकार

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून, 2005 यानी मनरेगा एक क्रांतिकारी और तर्कसंगत परिवर्तन का जीता जागता उदाहरण है। यह क्रांतिकारी बदलाव का सूचक इसलिए है, क्योंकि इस कानून ने गरीब से गरीब व्यक्ति के हाथों को काम और आर्थिक ताकत दी है। मनरेगा का पैसा सीधे उन लोगों के हाथों में पहुंचता है जिन्हें इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। विरोधी विचारधारा वाली केंद्र सरकार के छह साल में और उससे पहले भी मनरेगा की उपयोगिता साबित हुई है। मोदी सरकार ने इसकी आलोचना की, इसे कमजोर करने की कोशिश की, लेकिन अंत में उसे मनरेगा के लाभ और सार्थकता को स्वीकारना पड़ा। कांग्रेस सरकार द्वारा स्थापित की गई सार्वजनिक वितरण प्रणाली के साथ-साथ मनरेगा सबसे गरीब और कमजोर नागरिकों को भूख एवं गरीबी से बचाने के लिए अत्यंत कारगर है। खासतौर से कोरोना महामारी के संकट के दौर में यह और ज्यादा प्रासंगिक है। मनरेगा कानून एक लंबे जन आंदोलन तथा सिविल सोसायटी द्वारा उठाई जा रही मांगों का परिणाम है। कांग्रेस ने जनता की इस आवाज को सुना और अमली जामा पहनाया। यह हमारे 2004 के चुनावी घोषणापत्र का संकल्प बना। इस योजना के क्रियान्वयन के लिए अधिक से अधिक दबाव डालने वाले हर व्यक्ति को गर्व है कि यूपीए सरकार ने इसे लागू कर दिखाया।

इसका सार यही है कि गांवों में रहने वाले किसी भी व्यक्ति को अब काम मांगने का कानूनी अधिकार है। सरकार द्वारा उसे न्यूनतम मजदूरी के साथ कम से कम सौ दिनों तक काम दिए जाने की गारंटी होगी। इसकी उपयोगिता बहुत जल्द साबित भी हुई। यह जमीनी स्तर पर काम का अधिकार



देने वाला कार्यक्रम है, जो अपने में अभूतपूर्व है। इसका उद्देश्य गरीबी मिटाना है। मनरेगा की शुरुआत के बाद 15 वर्षों में इस योजना ने लाखों लोगों को भूख और गरीबी के कुचक्र से बाहर निकाला है। महात्मा गांधी ने कहा था, जब आलोचना किसी आंदोलन को दबाने में विफल हो जाती है तो उस आंदोलन को स्वीकृति और सम्मान मिलना शुरू हो जाता है। उनकी इस बात को साबित करने का मनरेगा से ज्यादा अच्छा उदाहरण और कोई नहीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी समझ आया कि मनरेगा को बंद करना व्यावहारिक नहीं। हालांकि उन्होंने आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग कर कांग्रेस पर हमला बोला और इस योजना को 'कांग्रेस की विफलता का एक जीवित स्मारक' तक कह डाला। पिछले सालों में मोदी सरकार ने मनरेगा को खत्म एवं खोखला करने की पूरी कोशिश की, लेकिन मनरेगा के सजग प्रहरियों, अदालत और विपक्षी दलों के भारी दबाव के चलते उसे पीछे हटने को मजबूर होना पड़ा। इसके बाद केंद्र ने मनरेगा को स्वच्छ भारत तथा पीएम आवास योजना जैसे कार्यक्रमों से जोड़कर इसका स्वरूप बदलने की कोशिश की, जिसे सुधार कहा गया, लेकिन यह कांग्रेस की योजनाओं

का नाम बदलने का प्रयास मात्र था। मनरेगा श्रमिकों को भुगतान में देरी की गई और उन्हें काम तक देने से इन्कार किया गया।

कोरोना और इससे उत्पन्न आर्थिक संकट ने मोदी सरकार को वास्तविकता का अहसास करवाया है। पहले से ही चल रहे अभूतपूर्व आर्थिक संकट और मंदी की मार झेल रही अर्थव्यवस्था ने सरकार को आभास दिलाया कि यूपीए सरकार के फ्लैगशिप ग्रामीण राहत कार्यक्रमों को दोबारा शुरू करने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। काम स्वयं बोलता है। चाहे देर से ही सही, वित्तमंत्री द्वारा हाल में मनरेगा का बजट बढ़ा एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का कुल आवंटन किए जाने की घोषणा ने इसे साबित कर दिया है। अकेले मई 2020 में ही 2.19 करोड़ परिवारों ने इस कानून के तहत काम की मांग की, जो आठ सालों में सबसे ज्यादा है। कांग्रेस के कार्यक्रमों को यथावत स्वीकार करने के लिए मजबूर मोदी सरकार अभी भी कमियां खोजने के लिए कुतर्क में लगी है, लेकिन देश जानता है कि दुनिया के इस सबसे बड़े जनांदोलन ने कैसे न केवल लाखों भारतीयों को गरीबी के कुचक्र से बाहर निकाला,

अपितु पंचायती राज संस्थाओं का स्वरूप बदल दिया, जलवायु परिवर्तन का प्रभाव कम करने में मदद की तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुनर्जीवित किया। इसने सभी के लिए समान वेतन सुनिश्चित कर, महिलाओं, दलितों, आदिवासियों तथा कमजोर वर्गों को सशक्त बनाकर एक नए सामाजिक परिवर्तन को दिशा दी। इसने उन्हें संगठित होने की ताकत दी और उन्हें सम्मान एवं स्वाभिमानपूर्ण जीवन प्रदान किया। मौजूदा संकट की स्थिति में भारत को सशक्त बनाने के लिए इन तथ्यों को जानना बहुत आवश्यक है। आज निराश मजदूर विभिन्न शहरों से अपने गांवों की ओर लौट रहे हैं। उनके पास न तो रोजगार है और न ही सुरक्षित भविष्य। जब अभूतपूर्व संकट के बादल मंडरा रहे हैं तो मनरेगा की जरूरत और महत्ता पहले से कहीं अधिक बढ़ जाती है। इन मेहनतकशों का विश्वास पुनः अर्जित करने के लिए राहत कार्य उन पर केंद्रित होने चाहिए। सबसे पहला काम उन्हें मनरेगा का जाँच जारी किया जाना है। राजीव गांधी ने अपने विशेष प्रयासों द्वारा जिस पंचायती राज तंत्र को सशक्त बनाने का संघर्ष किया, आज मनरेगा को लागू करने की मुख्य भूमिका उन्हीं पंचायतों को दी जानी चाहिए, क्योंकि यह कोई केंद्रीकृत कार्यक्रम नहीं है। ग्राम सभा यह निर्धारित करें कि किस प्रकार का काम किया जाए, क्योंकि स्थानीय निर्वाचित प्रतिनिधि ही अच्छी तरह जानते हैं कि गांव और स्थानीय अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुरूप बजट को कहां खर्च करना है। श्रमिकों के कौशल का उपयोग ऐसी टिकाऊ संरचनाओं के निर्माण के लिए किया जाना चाहिए, जिनसे कृषि उत्पादकता में सुधार हो, ग्रामीण आय में वृद्धि तथा पर्यावरण की रक्षा हो।

## समाज में आए अधिकांश संकटों के दौर में सर्वाधिक दुष्प्रभाव बच्चों के विकास पर दिखता है

आजकल संपूर्ण देश में रोजाना लोगों की उत्सुकता इस बात को लेकर रहती है कि किस राज्य में या फिर शहर में कोरोना के कितने पॉजिटिव मामले सामने आए। चूँकि महाराष्ट्र इस मामले में पहले नंबर पर है, लिहाजा सबकी नजरें वहां के आंकड़ों को जानने के बारे में ज्यादा उत्सुक रहती हैं। इस तरह के घोर संकट के दौर में बच्चे व्यापक रूप से अनदेखी का शिकार होते हैं। लेकिन इसी राज्य से उनके लिए एक राहत की खबर भी है। दरअसल इस सूबे की समेकित बाल विकास सेवाएं (आइसीडीएस) इस संकट की घड़ी में आंगनवाड़ी के बच्चों का विशेष ध्यान रख रही हैं। महामारी के प्रसार को रोकने के लिए सूबे में आंगनवाड़ी केंद्र अभी भी बंद हैं और बच्चे नहीं आ



पा रहे हैं, परंतु सरकार उनके घरों तक उनकी पौष्टिक खुराक पहुंचा रही है। इतना ही नहीं, उन बच्चों को घर में सकारात्मक तरीके से खेल-कूद व अध्ययन समेत रचनात्मक गतिविधियों में शामिल करने के भी नायाब तरीके अपनाए जा रहे हैं। तीन से छह वर्ष की आयुवर्ग के ऐसे बच्चों की परवरिश के लिए उनके अभिभावकों के वाट्सपप समूह बनाए गए हैं। बच्चों की तमाम गतिविधियों के लिए कैलेंडर बनाया गया है। बच्चों व

अभिभावकों को क्या-क्या करना है, इसकी जानकारी उन्हें दी जाती है। जिनके पास स्मार्टफोन की सुविधा नहीं है, उन्हें आंगनवाड़ी कायकर्ता छपी हुई सामग्री मुहैया करा रही हैं। अभिभावक और खास तौर पर पिता बच्चों की परवरिश में इस समय खास दिलचस्पी ले रहे हैं। उल्लेखनीय है कि माता-पिता दोनों के कामकाजी होने के दौर में बच्चों की परवरिश पर कम ध्यान दिया जाता है। किसी बच्चे की जिंदगी के पहले एक हजार दिन काफी अहम होते हैं। इस दौरान उसका दिमाग आश्चर्यजनक दर से विकसित होता है। यह प्रारंभिक मस्तिष्क विकास ही तय करता है कि बच्चे कैसे सोचते हैं, सीखते हैं और व्यवहार करते हैं, जीवन में उनके सफल होने की क्षमता को भी प्रभावित करते हैं।



# मुंबई में तेजी से ठीक हो रहे हैं कोरोना मरीज

## 20 हजार ठीक होकर पहुंचे घर

### संवाददाता

**मुंबई।** महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में जिस तेजी से कोरोना मरीज बढ़ रहे हैं, उसी रफ्तार से ठीक भी हो रहे हैं। इसी का नतीजा है कि मुंबई में 6 जून तक 19,938 मरीज कोरोना को मात देकर सकुशल अपने घर जा चुके हैं। वहीं, कुल 46,179 केसों में से 24,668 कोरोना के ऐक्टिव केस हैं। बीएमसी द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, मुंबई में कोरोना का रिकवरी रेट 41 प्रतिशत है, जो काफी राहत देने वाला है, जबकि यहां डेथ रेट 3.3 प्रतिशत है। जी नॉर्थवॉर्ड के अंतर्गत

आने वाले धारावी, माहिम एवं दादर में सबसे ज्यादा कोरोना मरीज हैं, तो मुंबई में सबसे ज्यादा कोरोना से ठीक होकर डिस्चार्ज होने वाले भी यहीं से हैं। जी नॉर्थवॉर्ड में कोरोना मरीजों की संख्या 3,416 है, वहीं यहां अब तक 1,990 मरीज ठीक होकर अपने घर भी जा चुके हैं। वॉर्ड ऑफिसर किरण दिघावकर ने कहा कि यहां रिकवरी रेट काफी अच्छा है। इसके लिए हमने कई उपाय किए हैं, जिनमें मरीजों को उचित मेडिकल सुविधा, बेहतरीन क्वारंटीन सुविधा, स्क्रीनिंग एवं टेस्ट शामिल हैं। हम यहां मरीजों



को दवाओं के साथ अच्छा भोजन बड़े पैमाने पर मरीज ठीक होकर भी उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे अपने घर जा रहे हैं। आने वाले

दिनों में यहां स्थिति और बेहतर होगी। कोरोना मरीजों की संख्या में मामले में कुर्ला, साकीनाका मुंबई में दूसरे नंबर पर है, लेकिन मरीजों के ठीक होने के मामले में भी यह वॉर्ड तीसरे नंबर पर है। कुर्ला, साकीनाका में कोरोना के कुल मरीजों की संख्या 3,026 है, वहीं यहां 1,372 लोग कोरोना से ठीक होकर अपने घर जा चुके हैं। भायखला, चिंचपोकली और मजगांव परिया में रिकवरी रेट 50 प्रतिशत से अधिक है। यहां कोरोना मरीजों की कुल संख्या 2,852 है, जबकि ठीक होकर अब तक 1,440 लोग अपने घर पहुंच चुके हैं। हालांकि

कोरोना मरीजों की संख्या के मामले में यह परिया मुंबई में पांचवें नंबर पर है। इसके बाद अंधेरी पूर्व जहां कोरोना के मरीजों की संख्या 2,994 है, लेकिन, यहां कोरोना वक रिकवरी रेट थोड़ा कम है। यहां अब तक 1187 लोग डिस्चार्ज हो चुके हैं। इसी तरह माटुंगा, सायन और वडाला में जिस तेजी से कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ रही है, उस रफ्तार से लोग ठीक नहीं हो रहे हैं। यहां कोरोना के कुल 2,882 केस अब तक सामने आ चुके हैं, लेकिन 1,298 लोग ही अब तक बीमारी को मात देकर ठीक हो पाए हैं।

### अंधेरी में भी अच्छे हो रहे लोग:

अंधेरी (पश्चिम) में कोरोना के कुल 2,740 केस हैं, जिनमें से 1,320 लोग डिस्चार्ज हो चुके हैं। इसी तरह, बांद्रा (पूर्व) में भी 2,610 मरीजों में से 1,201, वरली में 2,345 में से 1,230 एवं गोवंडी में 2,272 में से 1,075 लोग कोरोना से ठीक होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं। सबसे कम आर नॉर्थवॉर्ड में 610 कोरोना मरीजों में से 154 ठीक हुए हैं। बता दें कि महाराष्ट्र के लिए हालात पूरे देश की तुलना में कहीं ज्यादा बुरे हो चुके हैं। पिछले 24 घंटे में यहां 3007 नए मरीज मिले हैं, जिसके बाद राज्य में मरीजों की संख्या बढ़कर 85,975 हो गई है।

## बीएमसी के अस्पतालों में 1000 रुपये रोज पर अपॉइंट होंगे वॉर्ड अटेंडेंट

### संवाददाता

**मुंबई।** मुंबई के अस्पतालों में सपोर्टिंग स्टाफ की कमी को पूरा करने के लिए अब बीएमसी ने एजेंसी के जरिए वॉर्ड अटेंडेंट भर्ती करने का फैसला लिया है। नागरिक निकाय ने डॉक्टरों और नर्सों की प्रतीक्षा सूची भी तैयार की है, जिन्हें जिलों में स्थानांतरित

किया जाएगा। अडिशनल बीएमसी कमिश्नर हेल्थ सुरेश ककनी ने कहा कि बीएमसी के अस्पतालों में वॉर्ड अटेंडेंट की कमी है। हम लोगों ने इसकी कमी को पूरा करने के लिए मैनपावर सप्लाई करने वाली एजेंसी से बात की है। एजेंसी से मैनपावर लेकर वॉर्ड अटेंडेंट की कमी अस्थायी तौर पर पूरी की जाएगी। बीएमसी



के सूत्रों ने कहा कि प्रत्येक वॉर्ड अटेंडेंट को रोज के हिसाब से हर शिफ्ट में 1000 रुपये भुगतान दिया जाएगा। वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हालांकि यह रेट बहुत ज्यादा है लेकिन वे लोग चाहते हैं कि काम चलता रहे। बीएमसी ने नर्सों की वेटिंग लिस्ट बनाई है उन्हें लिस्ट के आधार पर ड्यूटी बांटी जाएगी। मुख्य सचिव

अर्जुन मेहता ने कहा कि हम लोग मुंबई से दूसरे जिलों में डॉक्टरों को भेजने की योजना बना रहे हैं जहां वायरस का असर ज्यादा है। उन्होंने बताया कि केरल एक ऐसा राज्य है जहां से डॉक्टरों को दूसरे राज्यों में भेजा जा रहा है जबकि दूसरे राज्यों ने डॉक्टरों की मदद देने से इनकार कर दिया है।

### (पृष्ठ 1 का शेष)

### बेकाबू हो रहा कोरोना?

बैठक के दौरान शहरी क्षेत्रों के घनी आबादी वाले इलाकों में संक्रमण के प्रसार, साझा जन सुविधाएं वाले क्षेत्रों के मुद्दों, घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने, त्वरित जांच, संक्रमण को क्षेत्र तक ही सीमित करने जैसे विषयों पर चर्चा हुई। मंत्रालय ने कहा, राज्यों के अधिकारियों को निष्पक्ष क्षेत्रों, इसके पास के इलाके में उठाए जाने वाले कदमों और कोविड-19 को लेकर जागरूकता बढ़ाने की सलाह दी गयी। मृत्यु दर घटाने के लिए अधिकारियों को विभिन्न उपायों के बारे में बताया गया। संक्रमित के संपर्क में आए लोगों का पता लगाने, बुजुर्ग लोगों और गंभीर बीमारी से जूझ रहे लोगों की पहचान करने, जैसे कदम बताए गए। मंत्रालय ने कहा कि समय से मामलों का पता लगा लेने के लिए निगरानी कवायद, पर्याप्त जांच पर भी जोर देने को कहा गया। समय रहते मरीजों को दूसरी जगह भेजने के बारे में भी बताया गया। कोविड-19 के संक्रमण को रोकने के लिए ढांचागत और मानव संसाधन के प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इसके लिए बेहतर योजना बनाने की जरूरत है और निगरानी के लिए

पर्याप्त टीमें होनी चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि कोविड-19 के मामलों से निपटने के साथ ही स्वास्थ्य केंद्रों को नियमित और जरूरी स्वास्थ्य सेवाओं को भी नागरिकों के लिए उपलब्ध कराना चाहिए। मंत्रालय ने कहा कि उत्कृष्टता केंद्र चिकित्सा पेशेवरों की मदद कर सकते हैं। नागरिकों को उनकी जरूरत के मुताबिक स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने में मदद के लिए अस्पताल में वरिष्ठ अधिकारियों की तैनाती होनी चाहिए। नगर निकायों को नेतृत्व करने और निगम की सभी आधारभूत संरचना को संक्रमण रोकने के उपायों के लिए मुहैया कराना चाहिए। मामले का पता लगाने और उपचार के लिए प्रयोगशाला से जांच परिणाम भी समय पर आए, इस पर जोर देने को कहा गया है। ग्रामीण इलाके में जनप्रतिनिधियों को जिला स्वास्थ्य प्रशासन के साथ सहयोग करना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक देश में संक्रमण के 2,56,611 मामले हो चुके हैं और 7200 लोगों की मौत हुई है। सोमवार सुबह आठ बजे तक 24 घंटे में कोविड-19 के 9,938 नए मामले आए और 271 लोगों की मौत हुई। मंत्रालय ने कहा कि देश में वर्तमान में 1,24,981 मामले हैं और 1,24,430 लोग अब तक ठीक हो चुके हैं। पिछले 24 घंटे में 5137 लोग ठीक हुए।

बयान में कहा गया, अब तक 48.49 प्रतिशत मरीज ठीक हो चुके हैं।

### जब्त होगी नीरव मोदी की संपत्ति

अगर कोई आरोपी भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित हो जाता है तो एफडीओ ऐक्ट के तहत केंद्र सरकार को उसकी संपत्ति जब्त करने का अधिकार मिल जाता है। ईडी ने 2018 में ही नीरव मोदी की संपत्ति जब्त करने की अनुमति अदालत से मांगी थी। नीरव मोदी पीएनबी स्कैम का मुख्य आरोपी है। उसने फर्जी लेटर्स ऑफ अंडरटेकिंग (LoUs) के जरिए पीएनबी को 7,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का चूना लगाया था। इस काम में उसे बैंक के कुछ कर्मचारियों ने भी मदद की थी। वह फर्जीवाड़े को अंजाम देकर जनवरी 2018 में भारत से भाग गया और अभी यूके की जेल में है। भारत में सीबीआई भी उसके खिलाफ जांच कर रही है और उसके प्रत्यर्पण की कोशिशों में जुटी है। यूके में नीरव मोदी के प्रत्यर्पण की अपील पर 11 मई को सुनवाई शुरू हुई थी जो सितंबर तक स्थगित हो गई है। बहरहाल, स्पेशल कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि नीरव की संपत्तियां एफडीओ ऐक्ट, 2018 के सेक्शन 12(2) और (8) के तहत केंद्र सरकार के कब्जे में रहेगी।





# मातोश्री में सीएम उद्धव ठाकरे से मिले सोनू सूद

बोले- जब तक आखिरी प्रवासी घर नहीं पहुंच जाता, मैं मदद करता रहूंगा



संवाददाता

**मुंबई।** प्रवासी मजदूरों को उनके घर तक पहुंचाने पर तारीफ पाने वाले बॉलिवुड ऐक्टर सोनू सूद पर महाराष्ट्र की राजनीति में खूब हलचल है। संजय राउत ने जब उन्हें 'महात्मा' बताकर तंज कसा तो प्रदेश के गृहमंत्री अनिल देशमुख सोनू के समर्थन में आ गए। हालांकि, सियासी हलचल से बेपरवाह सोनू सूद ने कहा है कि वह अपना मुहिम जारी रखेंगे और सभी लोगों को जरूरतमंद की मदद करने की जरूरत है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे और मंत्री आदित्य ठाकरे से उनके आवास मातोश्री में मुलाकात के बाद सोनू सूद ने कहा, जब तक आखिरी प्रवासी अपने घर नहीं पहुंच जाता, मैं अपना काम करता रहूंगा। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक हर सियासी दल ने मेरा समर्थन किया है और मैं उन सभी को धन्यवाद देता हूँ। कोरोना लॉकडाउन में फंसे और जरूरतमंद लोगों को हर देशवासी को मदद करना चाहिए।

## आदित्य ठाकरे ने भी की तारीफ

सोनू सूद के साथ मीटिंग के बाद आदित्य ठाकरे ने ट्वीट भी किया, रविवार शाम उद्धव जी और मंत्री अनिल देशमुख के साथ सोनू मुझसे मिले। जरूरतमंद लोगों के लिए हमें साथ आने की आवश्यकता है। आम लोगों की मदद के लिए ऐसे अच्छे इंसान के साथ मिलना अच्छा लगा। सोनू सूद की उद्धव ठाकरे के साथ यह मीटिंग इसलिए भी बेहद अहम मानी जा रही है कि क्योंकि शिवसेना के ही संजय राउत ने उनकी तीखी आलोचना की थी। अब आदित्य ठाकरे की तारीफ से यह साफ हो गया है कि उद्धव सरकार सोनू सूद के साथ खड़ी है। साथ ही यह भी माना जा रहा है कि इस मीटिंग से संजय राउत को भी संदेश मिल गया है।

## सोनू के साथ दिखे गृह मंत्री देशमुख

इससे पहले जब महाराष्ट्र के गृह मंत्री अनिल देशमुख से इस पूरे विवाद पर सवाल किया गया तो उनका कहना था, ऐक्टर सोनू सूद ने बहुत से प्रवासी मजदूरों को उनके घर भेजकर अच्छा काम किया है। मैंने नहीं सुना कि संजय राउत साहब ने इस पर क्या कहा है। जो लोग अच्छी पहल करते हैं, हम उनकी सराहना करते हैं भले ही वह सोनू सूद हो या कोई और। दरअसल शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' में सोनू सूद की तारीफ पर सवाल उठाते हुए संजय राउत ने कहा था कि किन्तनी चतुराई के साथ किसी को एक झटके में महात्मा बनाया जा सकता है। अपने कॉलम 'रोखटोक' में उन्होंने लिखा था, 'लॉकडाउन के दौरान आचानक सोनू सूद नाम से नया महात्मा तैयार हो गया। इतने झटके और चतुराई के साथ किसी को महात्मा बनाया जा सकता है?'

# केजरीवाल की तबीयत बिगड़ी खांसी-बुखार की शिकायत के बाद दिल्ली के सीएम आइसोलेट हुए

**आज कोरोना टेस्ट होगा, उनकी जगह डिप्टी सीएम ने मीडिया को ब्रीफ किया**



संवाददाता

**नई दिल्ली।** दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तबीयत बिगड़ गई है। उन्हें गले में इन्फेक्शन और बुखार की शिकायत है। वे मंगलवार को अपना कोरोना टेस्ट कराएंगे। बताया जा रहा है कि केजरीवाल ने खुद को आइसोलेट कर लिया है। सोमवार को उनकी जगह उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। जबकि रविवार को केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने ट्वीट कर बताया कि मंगलवार दोपहर तक के लिए केजरीवाल को सारी मीटिंग रद्द कर दी गई हैं। मुख्यमंत्री ने किसी से मुलाकात नहीं की।

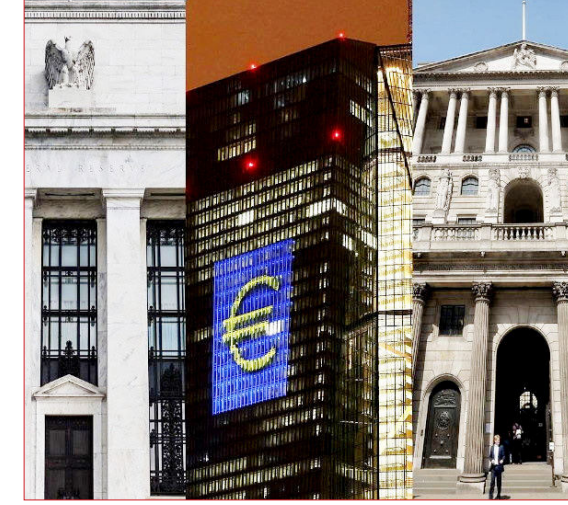
## अस्पतालों में सिर्फ दिल्लीवालों के इलाज पर विवाद

केजरीवाल सरकार ने रविवार को अस्पतालों का बंटवारा कर दिया। कैबिनेट ने फैसला लिया कि दिल्ली के अस्पताल, चाहे वो सरकारी हों या निजी उनमें अब सिर्फ दिल्लीवालों का ही इलाज होगा। राजधानी में मौजूद सिर्फ केंद्र के अस्पतालों में बाहरवालों का इलाज होगा। सोमवार को उपराज्यपाल अनिल बैजल ने इस फैसले को पलट दिया और सभी लोगों के इलाज के निर्देश दिए हैं।

## दिल्ली में 28 हजार से ज्यादा मरीज मिल चुके

दिल्ली में कोरोना के मरीज तेजी से बढ़ रहे हैं। अब तक संक्रमितों का आंकड़ा 28 हजार 936 हो गया है। पिछले 24 घंटे में 1320 नए मामले सामने आए। अब तक 812 लोगों की मौत हो चुकी है। दिल्ली में मौजूदा समय में 219 कंटेनमेंट जोन हैं। वहीं, देश में 2 लाख 59 हजार से ज्यादा कोरोना मरीज मिल चुके हैं।

# दुनियाभर की अर्थव्यवस्थाओं में सुधार वर्ल्ड जीडीपी में गिरावट की दर आधी हुई, अप्रैल में यह 4.8% गिरी थी, मई में 2.3% रहने का अनुमान



संवाददाता

**नई दिल्ली।** कोरोना महामारी के कारण पैदा हुई महामंदी से निपटने के लिए अब दुनियाभर की सरकारों और केंद्रीय बैंकों ने अपना फोकस बदलते हुए रेस्क्यू से रिकवरी की ओर रूख कर लिया है। लॉकडाउन के कारण तबाह हुई अर्थव्यवस्थाओं को बचाने के लिए अरबों डॉलर के उपाय किए जा रहे हैं। रिकवरी के लिए सरकारों ने खर्च को दोगुना कर दिया है। इसके बेहतर परिणाम भी सामने आने लगे हैं। मई में जीडीपी ग्रोथ में 2.3 फीसदी गिरावट आने का अनुमान है। अप्रैल में जीडीपी में गिरावट 4.8 फीसदी रही थी यानी अब वर्ल्ड जीडीपी में गिरावट की दर आधी हो गई है। ड्यूश बैंक सिक््युरिटीज के मुख्य अर्थशास्त्री टॉरसेन स्लोक का कहना है कि दुनियाभर के नीति निर्माता अब अर्थव्यवस्था में रिकवरी की ओर देख रहे हैं। नीति निर्माताओं का मानना है कि नकदी संकट से निपटने के लिए हाउसहोल्ड और छोटे कारोबारों को अधिक वित्तीय मदद की आवश्यकता है। इससे उन्हें दिवालिया संकट से भी बचाया जा सकता है। इन उपायों के तहत सरकारों और केंद्रीय बैंकों की ओर से

घोषित किए जा रहे प्रोत्साहन पैकेज में वित्तीय संस्थानों, बाजारों और कंपनियों को सरती दर पर कर्ज उपलब्ध कराया जा रहा है।

### अमेरिका के नौकरी के आंकड़ों ने दी है राहत

हाल में जारी हुए अमेरिका के नौकरी के आंकड़ों ने कुछ राहत दी है। आंकड़ों के मुताबिक, मई में कंपनियों ने 2.5 मिलियन कामगारों को नौकरी दी है। इससे अमेरिका में बेरोजगारी दर भी गिरकर 13.3 फीसदी पर आ गई है। इन आंकड़ों से अर्थशास्त्रियों के वह दावे भी गलत साबित हो गए हैं जिनमें कोरोना के कारण नौकरियां का बड़ा नुकसान होने का अनुमान जताया गया था। नेटिक्स एसए की चीफ एशिया पेरिसिफिक इकोनॉमिस्ट अलीशिया ग्रोशिया हेरारो का कहना है कि वर्ष की शुरुआत में ग्रोथ को वापस लाने के लिए उठाए गए हालिया कदम काफी हैं। इसमें से कई कदम ऐसे हैं जो जल्द समाप्त होने वाली पॉलिसी की जगह ले सकते हैं।

### मिशन मोड में पैदा करनी होंगी नौकरियां

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) का कहना है कि सुधारों में मजबूती लाने के लिए मिशन मोड में नौकरियां पैदा करनी होंगी। इसके लिए कंपनियों को कर्मचारियों को रिटैन करने के लिए मदद देने, पुराने कर्मचारियों को हायर करने में इंसेंटिव देने और सरकार को वेज सब्सिडी को लगातार जारी रखने की आवश्यकता होगी। आईएलओ के मुताबिक, कोरोना संकट शुरू होने के बाद प्रत्येक 6 मंसे 1 आदमी का काम बंद हो गया है। आईएलओ ने अप्रैल में 100 करोड़ से ज्यादा कर्मचारियों पर वेतन में कटौती या नौकरी खोने का खतरा होने का अनुमान जताया था।

### नौकरियां देने से ही अर्थव्यवस्था में सुधार आएगा

मेबैंक किम ईएनजी रिसर्च पीटीई के सीनियर इकोनॉमिस्ट चुआ हाक बिन का कहना है कि जब मार्केट में तेज रिकवरी से ही अर्थव्यवस्था में सुधार होगा। इससे आय असमानता और सोशल तनाव का खतरा कम होगा। लंदन की एडवाइजरी फर्म यूरीजोन एस्पलजे कैपिटल के संस्थापक स्टीफन जोन का कहना है कि नीति निर्माताओं को उपभोक्ताओं और एक्जीक्यूटिव की चिंताओं को दूर करने के लिए विश्वास पैदा करना होगा।

# मंदिरों के द्वार खुले: गुजरात में 80 दिन बाद सोमनाथ, द्वारिका समेत बाकी मंदिरों के द्वार खुले, कोरोना के डर से भक्तों की भीड़ में कमी देखने को मिली



संवाददाता

**अहमदाबाद।** 8 जून से अनलॉक -1 का पहला फेज शुरू हो गया है। 80 दिन बाद गुजरात के विख्यात मंदिरों के द्वार सुबह ही खोल दिए गए थे। भक्त भी भगवान के दर्शन करने के लिए पहुंचे। हालांकि, सौराष्ट्र के मंदिरों में भक्तों की भीड़ नहीं नजर आई। ऐसा ही कुछ हाल द्वारिका समेत बाकी मंदिरों का भी था। जानकारी के मुताबिक, कोरोना से डर के चलते अभी भी ज्यादातर लोग सोशल मीडिया के जरिए ही दर्शन कर रहे हैं। 12 ज्योतिर्लिंग में से प्रथम ज्योतिर्लिंग कहा जाने वाले सोमनाथ मंदिर पर सुबह बारिश हुई थी।

मगर भक्त महादेव के दर्शन के लिए लाइन में खड़े नजर आए। कई दिनों बाद मंदिर परिसर हर-हर महादेव के नाम से गूंज उठा।

## सोमनाथ मंदिर

आज से सोमनाथ मंदिर के द्वार भक्तों के लिए खोल दिए गए थे। मंदिर में 10 साल से कम और 60 साल से ज्यादा उम्र के भक्तों को प्रवेश के लिए मनाही थी। मंदिर में प्रवेश के लिए सुबह 7:30 से 11:30 बजे और दोपहर 12:30 से शाम 6:30 बजे तक का समय रखा गया है। कोरोना की महामारी को देखते हुए भक्तों के मंदिर परिसर में खड़े रहने

के लिए 6-6 फुट के अंतराल पर सर्कल बनाए गए थे।

## द्वारिका जगत मंदिर

द्वारिका में सिर्फ मुख्य मंदिर ही खुला है, जिसमें जगत मंदिर द्वारिकाधीश के द्वार खोले गए थे। द्वारिका में आज भक्तों की कमी देखने को मिली। द्वारिका में आज 1000 से 1500 भक्त दर्शन करने पहुंचे थे। मंदिर में भक्तों के लिए सैनटाइजेशन के प्रबंध भी मंदिर प्रशासन ने किए थे। मंदिर के प्रवेश द्वार पर थर्मल स्क्रीनिंग भी की गई।

# लद्दाख में तनाव: सैन्य कमांडरों में बातचीत के दो दिन बाद ही एलएसी के पास नजर आए चीन के हेलिकॉप्टर, लगातार भारतीय इलाकों की निगरानी की जा रही

संवाददाता

**लेह।** पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन की सेनाओं में जारी तनाव को कम करने के लिए कूटनीतिक और सैन्य स्तर पर बातचीत की जा रही है। लेकिन, दोनों सेनाओं के कमांडरों के बीच बातचीत के महज दो दिन बाद सोमवार को ही लाइन ऑफ कंट्रोल (एलएसी) के पास चीन के हेलिकॉप्टर नजर आए। यह घटना दोनों देशों के सैन्य कमांडरों की 6 जून को हुई मुलाकात के महज दो दिन बाद हुई है। सैन्य कमांडरों ने पूर्वी लद्दाख में जारी तनाव को कम करने के लिए बातचीत की थी। सूत्रों के हवाले से बताया कि बीते 7-8 दिनों में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के हवाई बेड़े की गतिविधियां ज्यादा बढ़ गई हैं और उसके हेलिकॉप्टर लगातार नजर आ रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि हो सकता है कि सीमा के करीब



कई इलाकों में तैनात चीन के सैनिकों को मदद पहुंचाने के लिए ये हेलिकॉप्टर उड़ान भर रहे हों। सूत्रों ने बताया कि पूर्वी लद्दाख में दोनों सेनाओं के बीच टकराव और तनाव की स्थिति के बीच चीन के हेलिकॉप्टर कई बार भारतीय इलाकों में भी नजर आए। ये गलवान घाटी में भारतीय कंस्ट्रक्शन साइट के ऊपर भी उड़ान भरते देखे गए थे। सूत्रों ने बताया कि चीन लगातार अंतरराष्ट्रीय एविएशन नियमों का उल्लंघन कर रहा है और वह भारतीय इलाकों में चॉपर्स के जरिए निगरानी रख रहा है। मई के शुरुआती दिनों में भी चीन के हेलिकॉप्टरों की ऐसी गतिविधियों के बाद भारतीय एयरफोर्स ने अपने फाइटर जेट्स बोले थे। तब चीन के विमान एलएसी के काफी करीब उड़ान भर रहे थे। यह घटना तब हुई थी, जब दोनों देशों की सेनाओं के जवान सीमा पर आमने-सामने आ गए थे।



# मस्जिद में पाँच लोगों की इजाजत ना काफी, सरकार पुनर्विचार करे: गोरा

संवाददाता

**देवबंद।** सरकार की तरफ से धार्मिक स्थल में पाँच लोगों की इजाजत को उलेमा ने ना काफी बताया है साथ ही सरकार से अपील की है कि वह अपने इस फैसले पर पुनर्विचार करे और धार्मिक स्थल की गुंजाईश देखकर लोगों को इबादतगाहों में अंदर जाने की इजाजत दी जाए उसके साथ ही इबादतगाहों के जिम्मेदार बाखूबी जिम्मेदारी निबाहने का काम करते हुए कोरोना संक्रमण से बचने के लिए स्वस्थ विभाग की तरफ से बताई गई गैडलाईंस का पालन करें और करवाएँ। जमीयत दावतुल मुसलीमीन के संरक्षक व देवबंदी विचारधारा के प्रसिद्ध आलिम मौलाना कारी इसहाक गोरा ने सरकार से अपील करते हुए कहा कि सभी मस्जिदों में पाँच लोगों को नमाज पढ़ने की



इजाजत देना ना काफी है इस पर पुनर्विचार करने की जरूरत है। सरकार को चाहिए कि छोटी-बड़ी मस्जिदों के गुंजाईश के हिसाब से अंदर जाने वालों की तादाद तय करे। गोरा ने कहा कि सरकार की इजाजत के बाद धार्मिक स्थलों के जिम्मेदारों को चाहिए कि वह सरकार और स्वस्थ विभाग की जारी गई गैडलाईंस का पालन करने व कराने का काम करें, सावधानी में जरा भी ला प्रवाही ना बरती जाए। कारी इसहाक गोरा ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि शारीरिक दूरी, मस्जिद में मास्क लगा कर आना और मस्जिद में कम समय बिताना ही वक़्त का तकाजा है। घर से वजू करके आने पर ज्यादा सवाब पाएँगे, मसजिद को सेनिटाइज का मतलब मुकम्मल सफाई है और शरीयत के अनुसार सफाई ईमान का हिस्सा है।

## कनपटी पर तमंचा लगाकर 95 हजार रुपये व दो लैपटॉप व अन्य सामान लूटा



संवाददाता

**सहारनपुर।** कोतवाली बेहट के कलसिया बस अड्डे पर दिन निकलते ही बदमाशों ने गांव मांझीपुर निवासी एक मिनी बैंक के मित्र की कनपटी पर तमंचा लगाकर 95 हजार रुपये व दो लैपटॉप व अन्य सामान लूटा। लूट की वारदात के 2 घण्टे बाद भी नहीं पहुंची कोतवाली पुलिस। दिन निकलते ही हुई वारदात से व्यापारियों में भय व्याप्त।

## जिला सहारनपुर वासियों के लिए कोरोना जांच को लेकर राहत भरी खबर

संवाददाता

**सहारनपुर।** कोरोना वायरस की तुरंत जांच के लिये जिला अस्पताल में लगी अत्याधुनिक मशीन, 1 घंटे में कोरोना की पॉजिटिव/निगेटिव रिपोर्ट होगी अब आपके सामने। एक दिन में करीब 2 शिफ्टों में अगर इस मशीन का प्रयोग कोरोना की टेस्टिंग में हो तो 50 लोगों की कोरोना रिपोर्ट हर रोज मिलेंगी अस्पताल प्रशासन को। सहारनपुर जिला अस्पताल प्रशासन ने ली मशीन लगने से स्कून की सांस।

## सफाई कर्मियों को पी.पी.ई किट का वितरण किया गया

**टाण्डा (रामपुर)।** पालिकाध्यक्ष मेहनाज जहाँ पति मकसूद लाला व अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा सहित नगर पालिका परिषद के अन्य कर्मचारियों के सहयोग के चलते सफाई कर्मियों को पी.पी.ई किट का वितरण किया गया पालिकाध्यक्ष मेहनाज जहाँ व अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा ने दिशा निर्देश देते हुए कहा कि लॉकडाउन के चलते सम्पूर्ण नगर की सफाई व्यवस्था सुचारु रूप से जारी रखी जाये साथ ही कोरोना वायरस बीमारी के चलते नगर वासियों को मास्क आदि का प्रयोग किये जाने सम्बंधित जागरूक किया जाय व ही नगर के अन्दर फागिंग मशीन व सेनिटाइज का भी समय से प्रयोग किया जा रहा है। जिसके चलते मच्छरों आदि पर नियंत्रण किया जा सके तथा किसी भी प्रकार की गम्भीर महामारी पनपने का नाम न लें सके। इस मोके पर पालिकाध्यक्ष मेहनाज जहाँ पति मकसूद लाला, अधिशासी अधिकारी राजेश सिंह राणा, धनीराम सैनी, जियाउर्रहमान, दिनेश, नरेश आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

## बिजली सप्लाई बाधित, भीषण गर्मी के चलते लोगों का हुआ बुरा हाल

संवाददाता

**टाण्डा (रामपुर)।** नगर के मोहल्ला काजीपुरा में रखा बिजली का ट्रांसफार्मर तकनीकी खराबी आ जाने के कारण फूँका, काजीपुरा, बरगद मोहल्लों की बिजली सप्लाई बाधित भीषण गर्मी के चलते लोगों का हुआ बुरा हाल, बिजली को लेकर मचा हा.हा कार. नगर के मोहल्ला काजीपुरा में रखा बिजली का ट्रांसफार्मर जो भीषण गर्मी के चलते फुक कर रह गया है तकनीकी खराबी आ जाने के कारण कई मोहल्लों की बिजली बाधित होकर रह गयी है जिसके चलते लोगों का जीना बेहाल होकर रह गया है। लॉकडाउन के चलते लोगो को घरों में रहना पड़ रहा है भीषण गर्मी से लोग बेहाल हो रहे हे ऊपर से बिजली की मार झेलनी पड़ रही हे दो दिन वीते जाने के बाद भी ट्रांसफार्मर नहीं बदला जा सका हे मोहल्ले वासियों में बिजली को लेकर हा हा कार मचा हुआ है मोहल्ले वासियों ने ट्रांसफार्मर की शीर्ष व्यवस्था कराए जाने को लेकर बिजली विभाग के अधीक्षण अभियंता को पत्र प्रेषित कर ट्रांसफार्मर लगवाए जाने की मांग की गई है जिसके चलते भीषण गर्मी से राहत की साँस लें सके पत्र पर कल्याण ठेकेदार मु० शरीफ, मु० सलीम कसगर, मु० शरीफ अंसारी आदि के हस्ताक्षर मौजूद हैं।



## मिली छूट, दुकानदारों में छाई खुशी की लहर, बसों का भी संचालन हुआ शुरू

संवाददाता

**टाण्डा (रामपुर)।** लॉकडाउन में दुकानें खोले जाने को लेकर मिली छूट, दुकानदारों में छाई खुशी की लहर दुकान स्वामी एवं खरीदारों ने निभाई अपनी जिम्मेदारी बसों का भी संचालन हुआ शुरू, आर्थिक व्यवस्था पड़ी कमजोर, नगर के मुख्य बाजार में अधिकतर परचून की दुकानों का संचालन धीरे धीरे पटरी पर आना शुरू हो गया है ग्राहकों की अभी कम आवाजाही से दुकानदारों में खुशी की लहर छाई हुई है बाजार के अन्दर कोरोना वायरस से पहले भीड़ इकट्ठा हुआ करती थी सामान की बिक्री भी ज्यादा हुआ करती थी हालात को देखते हुए मायूसी छाई हुई है लेकिन आर्थिक व्यवस्था भी लॉकडाउन के चलते गड़बड़ा कर रह गयी है दुकानदार व ग्राहक अपनी पूर्ण सतर्कता बरतते हुए लॉकडाउन के चलते मास्क आदि का प्रयोग कर रहे हैं जन जीवन को समान्य बनाये जाने के साथ साथ लॉकडाउन में छूट दी गयी है उपजिलाधिकारी गौरव कुमार व कोतवाल माधो सिंह बिष्ट सहित अन्य कर्मियों

में माध्यम से जनता को जागठक कर कोरोना संक्रमण से बचाव को लेकर जागरूक किया जा रहा है जिसके चलते गम्भीर बीमारी पर नियंत्रण किया जा सके जहाँ पर संक्रमित मरीज कोरोना से संबन्धित पाए गये हैं दुकानें खोले जाने पर पाबंदी रहेगी। उधर प्राइवेट बसों का भी संचालन शुरू हो गया है यात्रियों की संख्या कम होने की वजह से प्राइवेट बसों के संचालन में कठिनाइयाँ उत्पन्न हो रही हैं। लॉकडाउन के चलते बसों का नुकसान होने का भी अनुमान है जबकि ऐसी स्थिति में डीजल के रेट गिरना चाहिये थे डीजल की कीमत को देखते हुए जिसकी मार यात्री के ऊपर भी पड़ रही है बसों का आवागमन जल्द सामान्य होने के साथ साथ कोरोना के डर से सभी तरफ सन्नाटा छाया हुआ है जहाँ दो दर्जन से अधिक बसों का संचालन हुआ करता था वहाँ अब स्थिति को देखते हुए मात्र दो बसों का ही संचालन हो सका है यात्रियों की भीड़ भाड़ से पूरा बस स्टाफ बेहाल रहता था कोरोना बीमारी के डर की वजह से सन्नाटा छाया हुआ है।



## ब्रेन स्ट्रेस को करना है कम तो अपनाएं ये 4 आसान तरीके

बिजी शेड्यूल और भागदौड़ भरी लाइफ के कारण आजकल ज्यादातर लोग किसी न किसी काम को लेकर परेशान रहते हैं। ज्यादा सोचने, स्ट्रेस और टेंशन लेने के कारण इंसान के दिमाग पर बुरा असर होता है, जिससे दिमागी तनाव, डिप्रेशन या माइग्रेन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इससे व्यक्ति चिड़चिड़ा और उदास रहने लगता है। कई बार तो वह किसी से बात तक करना पसंद नहीं करता। व्यवहार में आए इस तरह के परिवर्तन से व्यक्ति के दिमाग के साथ-साथ सामाजिक जीवन पर भी बुरा असर होता है। अपने आस-पास के माहौल को सही रखकर दिमागी तनाव को कम किया जा सकता है। आज हम आपको ब्रेन स्ट्रेस को कम करने के लिए ऐसे ही कुछ आसान उपाय बताएंगे, जिन्हें अपना कर आप दिमागी तनाव को कम कर सकते हैं।



### 1. ज्यादा न सोचे

जरूरत से ज्यादा सोचने से शरीर को कई सारी बीमारियों का सामना करना पड़ता है। लगातार सोचते रहने से दिमाग काम करना बंद कर देता है। इससे कई बार दिमागी और मानसिक परेशानी होने लगती है। जब भी आपको किसी बात की चिंता हो तो उसको अपने किसी दोस्त या परिवार वालों के साथ शेयर करे और जितना हो सके कम सोचें।

### 2. कसरत

रोजाना सुबह और शाम कसरत करने से

दिमाग को नई ताजगी मिलती है। इससे मानसिक और दिमागी तनाव कम होता है। रोजाना आधा घंटा आसन और 5 मिनट के लिए ध्यान लगाएं। कुछ दिनों तक लगातार ऐसा करने से फर्क दिखाई देने लगेगा।

### 3. डायरी लिखना

दिमागी तनाव को कम करने का सबसे बढ़िया तरीका है अपनी बात को लिखना। रात को सोने से पहले या किसी भी समय एक पन्ने या डायरी में अपनी परेशानियों को लिखना शुरू करें। उन बातों को लिखने के

बाद धीरे-धीरे भूलने की कोशिश करें। ऐसा करने से कुछ ही दिनों में आपकी चिंता खत्म होने के साथ ही दिमागी परेशानी भी कम होगी।

### 4. जॉगिंग

जॉगिंग करने से टेंशन और डिप्रेशन कम होता है। रोजाना सुबह जॉगिंग करने से दिमाग को ताजी हवा मिलती है। ब्लड सर्कुलेशन ठीक ढंग से होने के कारण दिमाग की कोशिकाएं सही तरह से काम करती हैं। इससे ब्रेन स्ट्रेस कम होता है।

## प्रेग्नेंसी के बाद ढीली पड़ चुकी है त्वचा, तो अपनाएं ये टिप्स

डिलवरी के बाद महिलाओं को बढ़ते वजन, ढीली और लटकती हुई त्वचा जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसके साथ ही अक्सर महिलों को स्ट्रेच मार्क्स जैसी परेशानिया भी होने लगती हैं। जो की देखने में बहुत ही गंदे लगते हैं। इस तरह की परेशानियों से निजात पाने के लिए महिलाएं कई तरह के नुस्खे ट्राई करती हैं। मगर इतना कुछ करने के बाद भी कई बार ज्यादा फर्क नहीं दिखाई पड़ता। ऐसे में आज हम आपको कुछ आसान से टिप्स बताएंगे, जिनको नियमित रूप से अपनी दिनचर्या में अपनाने से कुछ ही समय के बाद इन समस्याओं से निजात पाई जा सकती है।

### 1. प्रोटीन से युक्त भोजन

प्रेग्नेंसी के बाद महिलाएं को प्रोटीन युक्त भोजन का सेवन करना चाहिए। ऐसा करने से एक तो उनके शरीर में आई कमजोरी दूर होती है। दूसरा इससे पेट की चर्बी से निजात मिलती है। पेट की ढीली पड़ी चर्बी को ठीक करने के लिए अपनी डाइट में अंकुरित चना, मछली, या न्यूट्रीला दूध को शामिल करें। इनको खाने से शरीर में प्रोटीन की मात्रा भी बढ़ जाने के साथ ही त्वचा में कसाव लाने में भी मदद मिलती है।

### 2. मसाज करें

पेट की ढीली पड़ी चर्बी को सही करने के लिए दिन में कम से कम 10 मिनट तक विटामिन युक्त क्रीम से मसाज करें। ऐसा करने से स्किन में ग्लो आने के साथ ही खून का संचार ठीक ढंग से होने लगता है।

### 3. बच्चे को दूध पिलाना

कुछ महिलाएं बच्चे को खुद का दूध नहीं पिलाती। वह सोचती हैं कि दूध पिलाने से उनके बाँडी की शेष खराब हो जाएगी, जो की गलत है। बच्चे को दूध पिलाने से ऑक्सीटोसीन नामक हार्मोन बनता है जिससे गर्भाशय सिकुड़ जाता है। इससे महिला का शरीर गर्भावस्था से पहले के आकार में आ जाता है।



### 4. मल्टीविटामिन

अगर आप चाहें तो डॉक्टर की सलाह पर विटामिन ए, विटामिन सी, विटामिन ई वाली दवाओं का सेवन भी कर सकती हैं। ये विटामिन त्वचा को स्वस्थ रखते हैं। साथ ही त्वचा की नई कोशिकाओं को बनाने में मदद करता है। इससे त्वचा सुंदर दिखती है।

### 5. खाने पर ध्यान

खाने में फाइबर, प्रोटीन, फल, हरी सब्जियां का सेवन करें। इसके साथ ही इस बात का ध्यान रखें की जो भोजन आप खा रहे हैं उसमें फौट की मात्रा बहुत कम हो। पानी ज्यादा से ज्यादा पीएं इसे शरीर में पानी की कमी नहीं होगी और शरीर से फैट व टॉक्सिन आसानी से बाहर निकलेंगे। इस तरह खान-पान पर ध्यान रखकर कुछ ही दिनों में पेट की चर्बी से निजात मिल जाएगी।

## सिगरेट से भी ज्यादा खतरनाक है अगरबत्ती का धुआं, जानिए कैसे

धूपबत्ती या अगरबत्ती का इस्तेमाल भारतीय घरों में पूजा-पाठ के लिए किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इसे जलाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का वास होता है। हाल ही एक शोध में बताया गया है कि धूपबत्ती या अगरबत्ती का धुआं सिगरेट के धुएं से भी ज्यादा खतरनाक है। इसमें पाए जाने वाले पॉलीएरोमेटिक हाइड्रोकार्बन अस्थिमा, कैंसर, सरदर्द और खांसी जैसी बीमारियों का कारण बन सकते हैं। इससे सांस की समस्याओं के साथ कई और समस्याएं हो सकती हैं। आइए जानते हैं अगरबत्ती का धुआं किन बीमारियों का कारण बन सकता है।



### 1. अस्थिमा की समस्या

इसमें मौजूद नाइट्रोजन और सल्फर डाईऑक्साइड गैस सेहत के लिए हानिकारक होती है। इससे सांस लेने में तकलीफ के साथ अस्थिमा की समस्या भी हो सकती है।

### 2. फेफड़े के रोग

अगरबत्ती के धुएं से निकलने वाली कार्बनमोनो ऑक्साइड शरीर में जाकर फेफड़ों को नुकसान पहुंचाती है। इसके वजह से फेफड़ों के रोग के साथ जुकाम और कफ की समस्या भी हो जाती है।

### 3. हार्ट अटैक का खतरा

इसके धुएं में लगातार सांस लेने से

दिल की कोशिकाएं सिकुड़ने लगती हैं। लगातार ऐसा होने से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है।

### 4. आंखों के लिए हानिकारक

धुएं में मौजूद हानिकारक केमिलक आंखों में खुजली, जलन और स्किन एलर्जी का कारण बन सकते हैं। इसके धुएं के कारण आंखों की रोशनी खराब होने का डर भी रहता है।

### 5. श्वसन कैंसर का खतरा

ज्यादा समय तक इसका धुआं शरीर में जाने से श्वसन कैंसर का खतरा बढ़ जाता है। धूम्रपान के साथ-साथ अगरबत्ती का धुआं भी इस कैंसर के खतरे को बढ़ाता है।

## इन बेसिक प्रॉडक्ट्स से दिनभर की खूबसूरती रखें बरकरार

### 1. इड क्रीम का करें इस्तेमाल

अगर आप चेहरे के दाग-धब्बों को हटा कर फ्लॉलेस लुक पाना चाहती है तो आप फाउंडेशन की अपेक्षा इड क्रीम का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। इसे आप मॉइश्चराइजर के साथ मिलाकर अपने चेहरे पर अप्लाई करें।

### 2. फेस पाउडर

ऑयली स्किन के लिए फेस पाउडर का बहुत महत्व है। आप इसे क्रीम लगाने के बाद ही अप्लाई करें। यह आपको मैट लुक देगा। इसे आप मेकप किट में जरूर जगह दें।

3. आंखों की ब्यूटी के लिए अपनाएं काजल आप आंखों को बड़ा दिखाने के साथ इसमें ब्राइटनेस लाने के लिए काजल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। आप अपनी पसंद के हिसाब से पसंद के हिसाब से कलर्ड काजल का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

### 4. मस्कारा

घनी और लंबी पलकों के बिना आंखों की खूबसूरती अधूरी लगती है इसलिए आप अपनी पलकों पर मस्कारा जरूर लगाएं। यह लगाने में भी काफी आसान है और इसे लगाने में समय भी नहीं लगता। कुछ ही मिनटों में यह आपकी पलकों को घना और लंबा बना देता है।

सभी

लड़कियों की इच्छा होती है कि वह दिखने में सबसे खूबसूरत हो।

आजकल हर रोज मार्किट में नई तरह के ब्यूटी प्रॉडक्ट्स आ रहे हैं। जिसे लेकर आप परेशान रहती होगी कि कौन-सा प्रॉडक्ट आपके फेस पर सूट करेगा और कौन-सा नहीं। ऐसे में हम आपकी परेशानी को दूर करने के लिए कुछ बेसिक प्रॉडक्ट्स बताएंगे जिसे इस्तेमाल करके आप परफेक्ट लुक पा सकती हैं और हर रोज आपको नए-नए प्रॉडक्ट्स खरीदने की जरूरत भी नहीं होगी।







## आरआरआर में अजय की पत्नी के रोल में होंगी श्रिया

ऐक्ट्रेस श्रिया सरन इन दिनों अपने पति के साथ विदेश में लॉकडाउन हैं। आने वाले समय में वह एसएस राजामौली की फिल्म 'आरआरआर' में नजर आएंगी। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान फिल्म में अपने रोल को लेकर खुलासा किया। श्रिया ने बताया कि वह फिल्म में अजय देवगन की पत्नी के रोल में दिखेंगी। उनकी फ्लैश बैक स्टोरी चलेगी। कई फील्डगुड सीन्स हैं। वह शूटिंग के लिए भारत आएंगी। बता दें, यह दूसरा मौका होगा जब अजय और श्रिया किसी फिल्म में साथ दिखेंगे। इससे पहले दोनों 'दृश्यम' में एकसाथ नजर आए थे। इस दौरान श्रिया ने प्रभास को लेकर भी अपनी राय जाहिर की। उन्होंने कहा, प्रभास बेहतरीन ऐक्टर हैं। वह हमेशा से गुड लुकिंग लगते रहे हैं। मुझे उनकी आंखें बहुत पसंद हैं। वहीं, एनटीआर के बारे में श्रिया ने कहा कि उनके साथ काम करना मजेदार होता है। बात करें 'आरआरआर' की तो इसमें न सिर्फ अजय देवगन बल्कि बॉलिवुड ऐक्ट्रेस आलिया भट्ट भी अहम रोल में नजर आएंगी। इस फिल्म से वह अपना साउथ डेब्यू करेंगी।



## राम मंदिर पर बनेगी फिल्म 'अपराजिता अयोध्या', कंगना रनौत करेंगी डायरेक्शन

बॉलिवुड की क्वीन कंगना रनौत ऐक्टिंग के अलावा डायरेक्शन के फील्ड में भी उतर चुकी हैं। कंगना अपनी फिल्म 'मणिकर्णिका: द क्वीन ऑफ झांसी' की को डायरेक्टर भी थीं। हाल में कंगना ने अपने महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट 'अपराजिता अयोध्या' के बारे में बात की। इस फिल्म की स्क्रिप्ट को 'बाहुबली' लिखने वाले राइटर केवी विजयेंद्र प्रसाद ने लिखा है। इस फिल्म की कहानी राम मंदिर के मामले से संबंधित होगी और कंगना इस फिल्म का डायरेक्शन करेंगी। इस खबर को कन्फर्म करते हुए कंगना ने कहा, 'पहले मेरा इस फिल्म को डायरेक्ट करने का कोई प्लान नहीं था। मैं इस पर कॉन्सेप्ट लेवल से काम कर रही हूँ। मैं इसे केवल प्रड्यूस करना चाहती थी क्योंकि मैं उस समय काफी बिजी थी। हालांकि केवी विजयेंद्र प्रसाद ने जो स्क्रिप्ट लिखी है उस पर एक बड़ी भव्य फिल्म बन सकती है जिसमें ऐतिहासिक चीजें भी शामिल की गई हैं और यह काम मैं पहले भी कर चुकी हूँ। मेरे पार्टनर्स भी चाहते थे कि इस फिल्म को मैं ही डायरेक्ट करूँ।



## तापसी पन्नू ने खुद को बताया रितिक रोशन का बड़ा फैन

बॉलिवुड ऐक्टर रितिक रोशन ने साल 2000 में अपने डायरेक्टर पिता राकेश रोशन की फिल्म 'कहो ना प्यार' से है डेब्यू किया था। इस फिल्म उनके साथ अमीषा पटेल थीं। यह फिल्म बॉलिवुड की सुपरहिट फिल्मों में से एक थी और रितिक रोशन अपनी पहली फिल्म से ही चर्चा में आ गए। हाल ही में ऐक्ट्रेस तापसी पन्नू ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक वीडियो शेयर किया था। जिसमें वह अपनी बहन शगुन के साथ रितिक रोशन की फिल्म 'कहो ना प्यार है' इंजॉय कर रही हैं। इसके साथ तापसी पन्नू ने बताया कि वह रितिक रोशन की बड़ी फैन हैं। तापसी पन्नू ने स्टोरी के साथ लिखा, इस घर में रितिक रोशन की बात शायद ही कभी खत्म होती है इसलिए हमने शुरुआत से स्टार्ट किया। वहीं रितिक रोशन ने तापसी पन्नू के इंस्टाग्राम स्टोरी के वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, 'ये हुई ना तारीफ मेरे चेहरे पर मुस्कान ला दी। बता दें कि लॉकडाउन के चलते रितिक रोशन इस समय अपनी एक्स वाइफ सुजेन खान और दोनों बच्चे रिहान और रिदान के साथ क्वालिटी टाइम बिता रहे हैं। वहीं, तापसी पन्नू दिल्ली में अपनी फैमिली के साथ हैं।

